

नागपुर में कॉलेज छात्रों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के समाधान की खोज

पिल्लेवार मनीष बाबूराव, शिक्षा विभाग, मालवांचल विश्वविद्यालय, इंदौर

सारांश

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक समस्या के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी चिंता का विषय बन चुका है। नागपुर जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में वायु, जल, ध्वनि तथा ठोस अपशिष्ट से संबंधित प्रदूषण का प्रभाव प्राकृतिक पर्यावरण और जनजीवन दोनों पर दिखाई देता है। इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य नागपुर के कॉलेज छात्रों में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता, उनकी पर्यावरणीय समझ तथा प्रदूषण की समस्याओं के समाधान के लिए उनके द्वारा किए जा सकने वाले प्रयासों का अध्ययन करना है। अध्ययन में छात्रों की भूमिका को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि युवा वर्ग सामाजिक जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। अध्ययन के अंतर्गत वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, प्लास्टिक के सीमित प्रयोग, कचरे का पृथक्करण एवं पुनर्चक्रण, जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत तथा स्वच्छता अभियानों जैसे उपायों पर विचार किया गया है। साथ ही, कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा, जागरूकता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और छात्र-आधारित पर्यावरणीय गतिविधियों की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। अध्ययन यह स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि पर्यावरणीय समस्याओं का स्थायी समाधान केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि छात्रों और नागरिक समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। इस प्रकार, नागपुर के कॉलेज छात्र पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रभावी परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य शब्द: पर्यावरण, प्रदूषण, नागपुर, महाविद्यालयीन विद्यार्थी, पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता, प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता, सतत विकास, जनभागीदारी।

